विकास Important Questions Class 11 Political Science Chapter 10 in Hindi

1 अंकीय प्रश्न:

प्रश्न 1 विकास से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : उन्नति, प्रगति, कल्याण और बेहतर जीवन की अभिलाषा ।

प्रश्न 2 विकास की प्रचालित अवधारणा किस नियम पर आधरित है?

उत्तर : यह अवधारणा 'उपर ने नीचे' के नियम पर आधारित है और इसमें यह आशा थी कि समाज में लाभ ऊपर से नीचे की और रिस-रिस कर समाज के सबसे निर्धन और वंचित वर्गों पर पहुंचेगा परंतु व्यवहार में ऐसा नहीं हुआ।

प्रश्न 3 विकास का उद्देश्य क्या है?

उत्तर : अर्थव्यवस्था में आत्मनिर्भरता लाना तथा रोजगार में वृद्धि करना ।

प्रश्न 4 विकास के प्रमुख प्रतिरूप कौन-से है?

उत्तर : (i) बाजार अर्थव्यवस्था के प्रतिरूप।

(ii) कल्याणकारी राज्य प्रतिरूप।

(iii) विकास समाजवादी प्रतिरूप।

(iv) विकास का गांधीवादी प्रतिरूप।

प्रश्न 5 अखण्ड विकास की संकल्पना क्या है?

उत्तर : वर्तमानी पीढ़ी के दावे का भविष्य की पीढ़ी के दावें के साथ संतुलन बना रहे। इसे अखण्ड विकास भी कहा गया है।

प्रश्न 6 लोक कल्याण राज्य से आप क्या समझते है?

उत्तर : कल्याणकारी राज्य मात्र कर एकत्रित करने वाली संस्था न होकर सामाजिक सेवा प्रदान करने वाली संस्था होती है। जी.डी.एच.कोल के अनुसार, कल्याणकारी राज्य प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम जीवन-स्तर और समान अवसर प्रदान करता है।

प्रश्न 7 आज विश्व विकास के किस मॉडल का अनुसरण कर रहा है?

उत्तर : बाजार अर्थव्यवस्था का मॉडल ।

प्रश्न 8 बड़ी परियोजनाओं के परिणामस्वरूप मुख्य रूप से किस वर्ग के लोग विस्थापित होते है?

उत्तर : जनजाति व दलित समुदायों के लोग विस्थापित होते है।

प्रश्न 9 वृहत परियोजनाओं के विरूद्ध चलाए गए किसी एक आंदोलन का नाम बताइए।

उत्तर : नर्मदा बचाओ आंदोलन, जो सरदार सरोवर परियोजना के विरूद्ध चलाया गया।

प्रश्न 10 UNDP का पूर्ण रूप लिखिए।

उत्तर : संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम

प्रश्न 11 विकास के परिणामस्वरूप पर्यावरण को हुए एक नुकसान का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : वायुमंडल में ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन के कारण आर्कटिक और अंटार्कटिक ध्रुवों पर बर्फ का पिघलना।

प्रश्न 12 बाजार अर्थव्यवस्था का प्रतिरूप क्या है?

उत्तर : बाजार अर्थव्यवस्था का प्रतिरूप पूंजीवाद, स्वतंत्रता, खुली प्रतियोगिता और मुक्त बाजार पर आधारित है।

2 अंकीय प्रश्न:

प्रश्न 1 विकास की वह कीमत जो समाज को चुकानी पड़ी है – स्पष्ट करें।

उत्तर : बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए जिससे उनको आजीविका के साधन खोने पड़े है और उनके सांस्कृति को विनाश हुआ है क्योंकि नई जगहों पर जाने के कारण लोग अपनी पूरी सामुदायिक जीवन पद्धति खो बैठते है।

प्रश्न 2 अविकसित देशों के निवासियों को जीवन स्तर किस प्रकार का होता है?

उत्तर : इनका जीवनस्तर निम्नस्तर का होता है क्योंकि इनको शिक्षा, चिकित्सा और अन्य सुविधाएं कम प्राप्त होती है।

प्रश्न 3 1950 के दशक में भारत में पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत किस प्रकार की परियोजनाएं बनाई?

उत्तर : भारत ने भाखड़ा नांगल बांध देश के विभिन्न भागों में इस्पात संयंत्रों की स्थापना, खनन, उर्वरक उत्पादन और कृषि तकनीकों में सुधार जैसी वृहत परियोजनाएं बनाई।

प्रश्न 4 'मानव विकास प्रतिवदेन' क्या है?

उत्तर : 'मानव विकास प्रतिवेदन' संयुक्त राष्ट्रसंघ विकास कार्यक्रम द्वारा विकास को मापने का एक नया तरीका है। इसमें साक्षरता और शैक्षिक स्तर, आयु संभाविता और मातृ-मृत्यु दर जैसे विभिन्न सामाजिक संकेतकों के आधार पर देशों का दर्जा निर्धारित किया जाता है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 5 विकास की 'ऊपर से नीचे की रणनीति के महत्वपूर्ण क्या रहे है?

उत्तर : (i) यह रणनीति अत्याधिक महंगी साबित हुई इसकी वित्तीय लागत बहुत अधिक होने के कारण विकासशील देशों को विकसित देशों से आर्थिक सहायता और कर्ज लेना पड़ा।

(ii) काफी अधिक संख्या में लोगों के उनके घरों और क्षेत्रों से विस्थापित होना पड़ा। सांस्कृति और अजीविका की हानि हुई।

प्रश्न 6 विकास का मॉडल विकासशील देशों ने अपनाया उसकी आलोचना किस आधार पर की जाती है?

उत्तर : विकास की संकीर्ण अर्थों में परिभाषा आर्थिक विकास की दर में वृद्धि और समाज का आधुनिकीकरण के संदर्भ में की जाती है। इसे पहले से निर्धारित लक्ष्यों या बांध, उद्योग व अस्पताल जैसी परियोजनाओं को पूरा करने से जोड़कर देखा जाता हैं। जिससे समाज के कुछ हिस्से ही लाभान्वित हो पाते है।

प्रश्न 7 विकास को मापने के वैकल्कि तरीके की धारणा का संक्षेप में स्पष्ट करें?

उत्तर : (i) विकास का टिकाऊ होना।

(ii) लोकतांत्रिक मॉडल पर विकास ।

(iii) पर्यावरण कम से कम हानि हो

प्रश्न 8 विकास की विकेन्दीकृत पद्धति क्या है?

उत्तर : विकास की विकेंद्रीकृत पद्धति में स्थानीय विकास योजनाओं के बारे में निर्णय स्थानीय निर्णयकारी संस्थाओं को लेना देना है। इस पद्धति से परंपरागत और आधुनिक स्त्रोतों से मिलने वाली तमाम तरह की तकनीकों के रचनात्मक ढंग से इस्तेमाल को संभव बनाती है।